भारत सरकार

जल शक्ति मंत्रालय

जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग

लोक सभा

तारांकित प्रश्न संख्या *356

जिसका उत्तर 19 दिसम्बर, 2024 को दिया जाना है।

.....

"भू-नीर" पोर्टल

***356. श्री अनन्त नायकः**

श्री मनोज तिवारीः

क्या **जल शक्ति** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) भूजल संसाधनों के प्रबंधन के लिए केंद्रीय भूजल प्राधिकरण द्वारा आरंभ किए गए "भू-नीर" पोर्टल की मुख्य विशेषताएं, लक्ष्य और उद्देश्य क्या हैं;

(ख) इस पोर्टल से देश में किस प्रकार औद्योगिक और व्यक्तिगत स्तर पर भूजल के उपयोग की सुविधा मिलेगी तथा लोगों में जागरूकता पैदा होगी;

(ग) दिल्ली और अन्य शहरी क्षेत्रों सहित देश में इस पोर्टल के कार्यान्वयन के लिए योजना और निष्पादन प्रक्रिया किस प्रकार बनाई गई है तथा इसके कार्यान्वयन की संभावित समय-सीमा क्या है;

(घ) इस पहल के अपेक्षित परिणामों का ब्यौरा क्या है और इससे दिल्लीवासियों सहित देश के लोगों को किस प्रकार लाभ होगा;

(ङ) क्या यह पोर्टल सूदूर संवेदी और आईओटी-आधारित भूजल निगरानी प्रणालियों से रियल टाइम डेटा को एकीकृत करता है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(च) स्थायी भूजल प्रबंधन के लिए इस पोर्टल का उपयोग करने में पंचायतों जैसी स्थानीय शासन संस्थाओं की भूमिका क्या है; और

(छ) इस पोर्टल से 'जल शक्ति अभियानः कैच द रेन' पहल के तहत भूजल संरक्षण में किस प्रकार योगदान मिलेगा?

उत्तर

जल शक्ति मंत्री श्री सी. आर. पाटील

(क) से (छ): एक विवरण सदन के पटल पर रख दिया गया है।

*****

"'भू-नीर" पोर्टल' के संबंध में दिनांक 19.12.2024 को लोक सभा में उत्तर दिए जाने वाले तारांकित प्रश्न सं. *356 के भाग (क) से (छ) के उत्तर में उल्लिखित विवरण।

(क): "भू-नीर", सीजीडब्ल्यूए द्वारा हाल ही में शुरू किया गया एक नया अत्याधुनिक पोर्टल है जिसका उद्देश्य विभिन्न उपयोगकर्ताओं/परियोजना प्रस्तावकों द्वारा भूजल निकासी के लिए ऑनलाइन आवेदन करना और उन पर कार्रवाई करना और एनओसी जारी करना है। मुख्य विशेषताओं के संबंध में, भू-नीर पोर्टल को भूजल संसाधनों के प्रबंधन और विनियमन के लिए वन-स्टॉप प्लेटफॉर्म के रूप में सेवा देने हेतु डिज़ाइन किया गया है, जिसका उद्देश्य भूजल उपयोग में पारदर्शिता, दक्षता और स्थिरता सुनिश्चित करना है। पोर्टल को परियोजना प्रस्तावकों के लिए इसे एक सुव्यवस्थित प्रक्रिया प्रवाह प्रदान करने और उपयोगकर्ता के लिए इसमें कई यूजर फ्रैंडली फीचर दिए गए हैं और जिनमे से कई महत्वपूर्ण फीचर निम्नानुसार हैं:

- एक सरलीकृत लेकिन जानकारीपूर्ण इंटरफ़ेस।
- आवेदन दाखिल करने से पहले पात्रता सुविधा की जांच।
- पैन आधारित एकल आईडी प्रणाली।
- अग्रिम भुगतान किए जाने वाले शुल्कों को संप्रेषित करने के लिए ऑनलाइन शुल्क कैलकुलेटर।
- एसएमएस और ई-मेल के माध्यम से आवेदन इतिहास और रियल टाइम प्रगति अपडेट ट्रैक करें।
- पोर्टल में उपयोगकर्ता द्वारा किए गए लेनदेन की पूरी जानकारी प्रदान करने के लिए पासबुक सुविधा।
- आवेदकों और सीजीडब्ल्यूए अधिकारियों के बीच वन ऑन वन बातचीत के लिए क्वेरी मॉड्यूल।
- सुरक्षा उन्नयन और सत्यापन में आसानी के लिए क्यूआर कोड के साथ एनओसी।

(ख): भू-नीर पोर्टल पर भूजल निकासी के लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र प्राप्त करने हेतु आवेदन विभिन्न श्रेणियों के प्रयोक्ताओं जैसे उद्योगों, खनन परियोजनाओं, अवसंरचना परियोजनाओं और थोक जल आपूर्तिकर्ताओं द्वारा दायर किए जा सकते हैं।

ईज ऑफ डूइंग बिजनेस प्रतिमान को ध्यान में रखते हुए, इस पोर्टल के पृष्ठों को इस प्रकार डिज़ाइन किया गया है कि आवेदन भरने में समय कम लगे और प्रयास में सुगमता आए और एक ही स्थान पर सभी आवश्यक जानकारी प्रदान कि जा सके। इसमें यह विशेष रूप से सुनिश्चित किया गया है कि भू-नीर में, आवेदन भरे जाने वाले मॉड्यूल में और फ़ील्ड-संख्या न्यूनतम हो।

भूजल निष्कर्षण करते हुए, भू-नीर पोर्टल पर वैधानिक प्रावधानों और उद्योगों द्वारा पालन की जाने वाली सामान्य शर्तों के बारे में सही और पूर्ण जानकारी दिए जाने पर जोर दिया गया है जैसे कि - निर्धारित उपयोग के लिए निकाले गए जल का पुनर्चक्रण और पुनः उपयोग, जलभृत संदूषकों को रोकने के लिए वॉल हेड जैसे सुरक्षा उपाय, सभी को एक ही विंडो के माध्यम से उपलब्ध कराया जाता है।

भू-नीर पोर्टल के साथ, न केवल व्यावसायिक उपयोगकर्ता, बल्कि आम लोग भी भूजल निष्कर्षण से संबंधित मुद्दों के बारे में अपेक्षित तथा गैर-अपेक्षित कार्यों के बारे में जानकारी हासिल कर सकते हैं जिससे नियामक ढांचा सभी हितधारकों के लिए अधिक सुलभ, पारदर्शी और मजबूत बनता है।

(ग): एनओसी के फ्रेश और रीन्यूवल आवेदनों की ऑनलाइन फाइलिंग और प्रसंस्करण भू-नीर पोर्टल को दिनांक 30 अक्टूबर, 2024 को लाइव कर दिया गया है। तथापि, सीजीडब्ल्यूए राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली में भू-जल को विनियमित नहीं करता है।

(घ): भू-नीर पोर्टल का प्राथमिक और इसका वांछित उद्देश्य भूजल निकासी हेतु एनओसी आवेदन दाखिल करने के लिए एक त्वरित और सुगम मंच प्रदान करते हुए भूजल विकास और प्रबंधन के विनियमन के लिए एक सुचारू और कुशल तंत्र स्थापित करना है।

तथापि, परियोजना प्रस्तावकों को भूजल विनियमन प्रावधानों के प्रति अधिक जागरूक और अनुपालनकर्ता बनाने से, भूजल का और अधिक सावधानीपूर्वक उपयोग शुरू होने की आशा है जिससे की देश में भूजल उपयोग में स्थिरता आएगी।

(ङ): अभी, रिमोट सेंसिंग और आईओटी आधारित भूजल निगरानी प्रणाली से रियल टाइम डेटा के एकीकरण कार्य को, भू-नीर पोर्टल में शामिल नहीं किया गया है।

(च) और (छ): उपर्युक्त उल्लिखित किए अनुसार, भू-नीर पोर्टल मुख्य रूप से भूजल निकासी के लिए एनओसी दाखिल करने, उसके प्रसंस्करण और उसे जारी रखने के लिए एक वेब प्लेटफॉर्म प्रदान करता है और यह पंचायत स्तर पर भूजल प्रबंधन या जल शक्ति अभियान से नहीं जुड़ा है।

हालांकि, एक मजबूत नियामक ढांचे के आधार पर, यह पोर्टल एक पार्श्व परिणाम के रूप में पर्याप्त भूजल संरक्षण के कार्य में एक अग्रणी भूमिका अदा कर सकता है।

*****